



13 June, 2024

गूगल सर्च एल्गोरिदम

संदर्भ: मार्केटिंग रिसर्च फर्म स्पार्कटोरो के CEO और SEO विशेषज्ञ रैंड फिशकिन को हल ही में एक गुमनाम ईमेल मिला था, जिसमें उसके गूगल के सर्च एल्गोरिदम API आलेखों तक पहुंच होने का दावा किया गया था।

गूगल सर्च एल्गोरिदम:

- यह गूगल के सर्च इंडेक्स से जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाला एक जटिल तंत्र है।
- इसके माध्यम से विभिन्न खोजों (क्वेरी) से मेल खाने वाले वाक्यांशों और कीवर्ड का उपयोग करके कंटेंट को खोजा जाता है।
- यद्यपि एल्गोरिदम का विवरण निजी है; तथापि इस दौरान बैकलिंक्स, पेज स्पीड और कंटेंट की गुणवत्ता आदि कई मानदंडों का उपयोग किया जाता है, जो पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध हैं।
- खोज की गुणवत्ता में सुधार और स्पैमर का मुकाबला करने के लिए इसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता है।

खोज प्रक्रिया

क्रॉलिंग (Crawling)

- वेब क्रॉलर इंटरनेट पर यूआरएल खोजते हैं और कंटेंट की जांच करते हैं।
- क्रॉलर ऐसे प्रोग्राम होते हैं जो स्वचालित रूप से कंटेंट को इंडेक्स करते हैं।

इंडेक्सिंग: यूआरएल में कंटेंट वर्गीकरण के लिए इसे इसकी विशेषताओं और मेटाडेटा के साथ टैग किया जाता है।

खोज और रैंकिंग: उपयोगकर्ता एक क्वेरी दर्ज करता है; खोज इंजन प्रासंगिक कंटेंट को रैंक करता है और उसे वापस होम पेज लौटाता है।

गूगल का एल्गोरिदम कैसे काम करता है ?

- क्वेरी शब्दों की व्याख्या करने और उन्हें उपयोगी कंटेंट से मिलाने के लिए भाषा मॉडल का उपयोग करता है।
- यह वर्तनी को भी सही करता है, समानार्थी शब्दों का उपयोग करता है, और क्वेरी के उद्देश्य को समझता है।

प्रासंगिकता:

- यह एकत्रित और अनामित इंटरैक्शन डेटा का उपयोग करके प्रासंगिकता का आकलन करता है।
- इस प्रकार के कंटेंट में सटीक कीवर्ड मिलान मजबूत प्रासंगिकता का संकेत देते हैं।

गुणवत्ता:

- यह विशेषज्ञता, प्रामाणिकता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करता है।
- इन संकेतों में प्रमुख वेबसाइटों से बैकलिंकिंग और कंटेंट की लंबाई भी शामिल है।
- यह सिस्टम की गुणवत्ता का लगातार आकलन और माप करता है।

उपयोगिता:

- उपयोगकर्ता के अनुकूल वेबसाइटों (उदाहरण के लिए, मोबाइल के अनुकूल, तेज-लोडिंग पेज, HTTPS) को प्राथमिकता देता है।
- यह बाह्य तौर पर घुसपैठ करने वाले विज्ञापनों से बचने वाले पेज का प्रदर्शन बेहतर समझता है।
- यह वैयक्तिकृत परिणामों के लिए स्थान, खोज इतिहास और खोज सेटिंग पर विचार करता है।
- अनुकूलित परिणामों के लिए Google खाते पर पिछली गतिविधि का उपयोग करता है।

विशिष्ट रैंकिंग कारक:

- अभी भी 200 से अधिक कारक; पूरी सूची और भार अज्ञात हैं।
- कुछ कारक अर्थ, प्रासंगिकता, गुणवत्ता, प्रयोज्यता और संदर्भ के सिद्धांतों को मान्य करते हैं।

कंटेंट निर्माताओं के लिए मापने योग्य कारक:

- कंटेंट संगठन:** उपशीर्षक, शीर्षक, समृद्ध मीडिया और बुलेटेड सूचियों का उपयोग करें।
- कंटेंट की लंबाई:** आम तौर पर लंबी कंटेंट बेहतर प्रदर्शन करती है।
- वेबसाइट संरचना:** सरल वास्तुकला अनुक्रमण में मदद करती है।
- बैकलिंक्स:** अन्य साइटों से लिंक कंटेंट की विश्वसनीयता को इंगित करते हैं।
- डोमेन प्राधिकरण:** उच्च-गुणवत्ता, प्रासंगिक कंटेंट और बैकलिंक्स के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।
- मेटा विवरण:** की-वर्ड शामिल करने से प्रदर्शन में मदद मिलती है।
- छवि वैकल्पिक पाठ:** एल्गोरिदम के लिए छवियों का वर्णन करता है।
- H2 और H3 में कीवर्ड:** शीर्षकों में कीवर्ड विविधताओं का उपयोग करें।
- क्लिक-थ्रू दर:** लिंक पर क्लिक करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या को मापता है।
- बाउंस दर:** यह तुरंत वेब पेज छोड़ने वाले आगंतुकों को मापता है।
- स्थिरता:** मापता है कि आगंतुक किसी पृष्ठ पर कितने समय तक रहते हैं।

15 major Google algorithm changes

Google regularly updates its search algorithm to improve UX. These updates often add new ranking factors—criteria that search engines use to evaluate a webpage's quality and relevance—to the algorithm.



Panda
Implemented to prioritize high-quality content over low-quality or spam content. Many websites that published unique, thorough and useful content saw a boost to their SERP ranking.



Penguin
Focused on backlinks—links to sites from sources outside one's own website. This update made manipulative backlinking practices, such as paid backlinks from low-quality sites, a negative ranking factor.



Exact Match Domain
Prior to implementation, low-quality or spam websites could easily rank at the top of the SERP if their domain names matched popular keyword phrases. This update prioritized content quality over how closely a website's domain name matched a particular keyword phrase.



Pigeon
Improved location-based searches to offer results closer to searchers' locations. It let users see top-ranking businesses in their neighborhoods as opposed to those of their city or region.



Mobile Update
Made mobile-friendly website layouts a positive ranking factor. Pages that didn't require mobile users to zoom in or scroll horizontally saw a ranking boost for mobile searches.



Mobile Speed Update
Before 2018, website speed was a ranking factor for desktop searches, but not for mobile. The Mobile Speed Update implemented site speed as a ranking factor for mobile searches.



BERT
Added natural language processing capabilities to help the algorithm understand complex language in search queries. Unlike RankBrain, BERT doesn't rely on past search data to interpret intent.



Helpful Content
Implemented to further prioritize high-quality content that is more likely to meet readers' needs. It penalizes websites that produce low-quality content or rely heavily on automation tools to create content.



Venice
Improved Google's ability to identify searcher intent for localized search results, such as webpages for local businesses. This change let small businesses compete with large organizations for broad keywords.



Pirate
Originally known as the Digital Millennium Copyright Act update, it placed a negative ranking value on websites that received many DMCA takedown requests and incentivized website owners to adhere to copyright laws and publish original content.



Hummingbird
Enhanced Google's ability to process conversational language. This update improved search result accuracy, especially for long-tail keyword phrases.



HTTPS/SSL
Implemented the HTTPS/SSL update to encourage website owners to secure their sites with HTTPS—a file sharing protocol that uses the security sockets layer (SSL) protocol. SSL encrypts information that flows between web servers and clients.



RankBrain
Added a machine learning component to Google's search algorithm to identify searcher intent more accurately. This update let the algorithm learn from previous searches and other results that past users found most relevant.



Medic
Made expertise and topical authority a strong ranking factor for health, wellness and personal finance sites. Many sites that had non-experts share advice on these topics dropped in SERP ranking following this update.



Page Experience Update
Added UX as a ranking factor to Google's algorithm. The update incentivized pages to have shorter load times and offer smooth navigation across desktop and mobile devices.

वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक

संदर्भ: 12 जून को प्रकाशित, विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 129वें स्थान पर आ गया, जबकि आइसलैंड शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

Face to Face Centres





13 June, 2024

➤ सामान्य रुझान

- **वैश्विक लैंगिक अंतर स्कोर:** वर्ष 2024 में, वैश्विक लैंगिक अंतर 68.5% पर समाप्त हो गया है, जो पिछले वर्ष के 68.5% से थोड़ा सुधार दर्शाता है।
- **समानता का समय:** वर्तमान दर पर, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो 2030 के सतत विकास लक्ष्य लक्ष्य से कहीं अधिक है।
- **शीर्ष प्रदर्शनकर्ता:** आइसलैंड 93.5% लैंगिक अंतर के साथ सबसे शीर्ष पर है, उसके बाद फिनलैंड, नॉर्वे और न्यूजीलैंड हैं। शीर्ष 10 में यूरोपीय देशों का प्रभुत्व है।
- **प्रमुख आयाम:** स्वास्थ्य और जीवन रक्षा लैंगिक अंतर 96%, शैक्षिक प्राप्ति 94.9%, आर्थिक भागीदारी और अवसर 60.5% और राजनीतिक सशक्तिकरण 22.5% हो गया है।
- **राजनीतिक सशक्तिकरण:** राजनीतिक सशक्तिकरण में 2006 के बाद से सबसे महत्वपूर्ण सुधार हुआ है, जो 8.3 प्रतिशत अंक बढ़कर 22.8% हो गया है।
- **आर्थिक भागीदारी:** आर्थिक भागीदारी और अवसर के अंतर ने 2023 से समानता के लिए समय-सीमा को 17 वर्ष कम कर दिया है।
- **शैक्षिक उपलब्धि:** शैक्षिक उपलब्धि में समानता का समय 2023 से 4 वर्ष बढ़ गया है, जो अब 20 वर्ष होने का अनुमान है।
- **क्षेत्रीय अंतर:** यूरोप अपने लिंग अंतर के 75% को कम करके सबसे आगे है। उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन, और पूर्वी एशिया और प्रशांत इसके बाद हैं।
- **श्रम बाजार प्रतिनिधित्व:** वैश्विक कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 42% है, जिसमें वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिकाओं में 31.7% हैं।
- **प्रौद्योगिकी और STEM:** STEM भूमिकाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 28.2% पर कम बना हुआ है, लेकिन महिला AI प्रतिभा में वृद्धि हुई है।
- **न्यायसंगत देखभाल प्रणाली:** महिलाओं की कार्यबल भागीदारी में सुधार के लिए न्यायसंगत देखभाल प्रणालियों में प्रगति महत्वपूर्ण है।

➤ दक्षिण एशिया में रुझान:

- **समग्र समानता स्कोर:** दक्षिण एशिया 63.7% के लैंगिक समानता स्कोर के साथ वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है, जो 2006 से 3.9 प्रतिशत अंकों का मामूली सुधार दर्शाता है।
- **आर्थिक भागीदारी:** यह क्षेत्र आर्थिक भागीदारी और अवसर में 38.8% के स्कोर के साथ अंतिम स्थान पर है, जो कम श्रम-बल भागीदारी और नेतृत्व की भूमिकाओं में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताओं को उजागर करता है।
- **शैक्षिक प्राप्ति:** शैक्षिक प्राप्ति स्कोर 94.5% है, जो 2006 से महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है, लेकिन साक्षरता और शिक्षा में पर्याप्त लैंगिक अंतर बना हुआ है, विशेष रूप से पाकिस्तान और नेपाल में।
- **स्वास्थ्य और जीवन रक्षा:** स्वास्थ्य और जीवन रक्षा स्कोर 95.4% पर स्थिर बना हुआ है।

- **राजनीतिक सशक्तिकरण:** राजनीतिक सशक्तिकरण 2023 से 26% तक 0.7 अंकों की मामूली गिरावट के साथ हुआ है, जो मंत्रिस्तरीय और संसदीय प्रतिनिधित्व में लगातार लैंगिक असंतुलन को दर्शाता है।
- **आर्थिक अवसर:** भारत में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी उल्लेखनीय रूप से कम है, जिसमें आय और नेतृत्व की स्थिति में बड़ी असमानताएँ हैं।
- **तकनीकी सहभागिता:** STEM और AI क्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, हालांकि वर्तमान भागीदारी कम बनी हुई है।
- **नीति और सामाजिक परिवर्तन:** भारत में लैंगिक समानता को संबोधित करने के प्रयासों में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक भागीदारी का समर्थन करने वाली नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। हालांकि, सांस्कृतिक और संरचनात्मक बाधाएँ अभी बनी हुई हैं।

[नोट: भारत के विशिष्ट निष्कर्षों पर कल के दैनिक prePARE में चर्चा की जाएगी।]

नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O) उत्सर्जन

संदर्भ: ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, पृथ्वी को गर्म करने वाले नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O) उत्सर्जन में 1980 और 2020 के बीच 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

➤ विकास, स्रोत और प्रमुख उत्सर्जक:

- **उत्सर्जन में वृद्धि:** 1980 और 2020 के बीच नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O) उत्सर्जन में 40% की वृद्धि हुई है।
- **प्राथमिक स्रोत:** पिछले दशक में 74% उत्सर्जन कृषि में उपयोग किए जाने वाले नाइट्रोजन उर्वरकों और पशु खाद से हुआ।
- **शीर्ष 10 देश:** चीन, भारत, अमेरिका, ब्राजील, रूस, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, तुर्की और कनाडा सबसे बड़े उत्सर्जक हैं।
- **भारत का योगदान:** भारत दूसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, जो 2020 में वैश्विक मानवजनित N₂O उत्सर्जन के 11% के लिए जिम्मेदार है, चीन 16% के साथ दूसरे स्थान पर है।

➤ प्रभाव और सांद्रता:

- **ग्रीनहाउस गैस रैंकिंग:** N₂O तीसरी सबसे महत्वपूर्ण ग्रीनहाउस गैस है, जो 100 वर्षों में CO₂ से 273 गुना अधिक शक्तिशाली है।
- **तापमान वृद्धि:** ग्रीनहाउस गैस की वृद्धि ने पूर्व-औद्योगिक युग से पृथ्वी के औसत सतह के तापमान में 1.15°C की वृद्धि की है, जिसमें मानवजनित N₂O का योगदान लगभग 0.1°C है।
- **वर्तमान स्तर:** 2022 में, N₂O सांद्रता 336 भाग प्रति बिलियन तक पहुँच गई, जो पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 25% अधिक है।
- **CO₂ के साथ तुलना:** 2022 में CO₂ की सांद्रता 417 भाग प्रति मिलियन थी, जो N₂O से काफी अधिक है।

➤ कृषि उत्सर्जन और पर्यावरण प्रभाव:

- **2020 डेटा:** कृषि N₂O उत्सर्जन 8 मिलियन मीट्रिक टन था, जो 1980 से 67% अधिक है।





13 June, 2024

- **उर्वरक उपयोग:** वाणिज्यिक नाइट्रोजन उर्वरक का उपयोग 1980 में 60 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2020 में 107 मिलियन मीट्रिक टन हो गया। पशु खाद ने अतिरिक्त 101 मिलियन मीट्रिक टन का योगदान दिया।
- **दीर्घकालिक प्रभाव:** N_2O 117 वर्षों तक वायुमंडल में रहता है, जिससे दीर्घकालिक जलवायु और ओजोन परत पर प्रभाव पड़ता है।
- **पर्यावरण प्रदूषण:** सिंथेटिक नाइट्रोजन उर्वरकों और पशु खाद का अकुशल उपयोग भूजल, पेयजल और तटीय जल को प्रदूषित करता है।

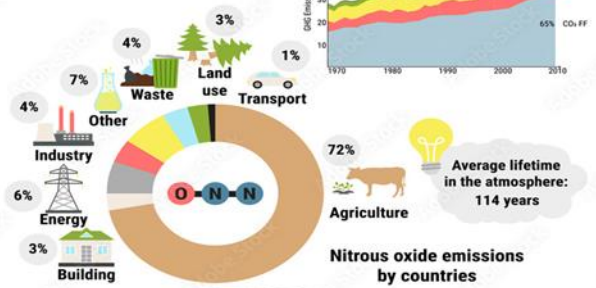
➤ **जलवायु लक्ष्य और अनुशंसाएँ:**

- **पेरिस समझौते के लक्ष्य:** वैश्विक तापमान वृद्धि को $2^\circ C$ से नीचे रखने के लिए, मानवीय गतिविधियों से N_2O उत्सर्जन को 2050 तक 2019 के स्तर से कम से कम 20% कम करना होगा।
- **कार्रवाई की तात्कालिकता:** N_2O उत्सर्जन को कम करना महत्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में इसे वायुमंडल से हटाने के लिए कोई तकनीक मौजूद नहीं है।
- **व्यापक निहितार्थ:** मांस और डेयरी की खपत में वृद्धि से खाद उत्पादन और N_2O उत्सर्जन में वृद्धि हुई है। जबकि कृषि उत्सर्जन बढ़ रहा है, जीवाश्म ईंधन और रसायनों जैसे अन्य क्षेत्रों से उत्सर्जन स्थिर या घट रहा है। जलीय कृषि से उत्सर्जन बढ़ रहा है, खासकर चीन में।

Nitrous oxide (N_2O)

Nitrous oxide is released from bacteria in soil. Modern agricultural practices – tilling and soil cultivation, livestock waste management, and the use of nitrogen-rich fertilizers – contribute significantly to nitrous oxide emissions

Estimated anthropogenic nitrous oxide emissions by source



NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस



विश्व बाल श्रम निषेध दिवस कल 12 जून, 2024 को मनाया जाता है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के बारे में:

- विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हर साल मनाया जाता है जिसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और बाल श्रम के सभी रूपों को समाप्त करने के प्रयासों को संगठित करना है।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने 2002 में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की स्थापना की।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया भर में लगभग सोलह करोड़ बच्चे बाल श्रम के शिकार हैं, जो उन्हें शिक्षा के उनके अधिकार से वंचित करता है और उनके कल्याण और भविष्य को खतरे में डालता है।
- विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2024 का विषय है – **आइए अपनी प्रतिबद्धताओं पर काम करें: बाल श्रम को समाप्त करें।**
- भारत के संविधान का अनुच्छेद 24 कारखानों, खदानों या खतरनाक व्यवसायों में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) लक्ष्य 8.7 को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य 2025 तक बाल श्रम के सभी रूपों को समाप्त करना है।
- अफ्रीका में बाल श्रम का प्रचलन सबसे अधिक 20% है, जो 72 मिलियन बच्चों को प्रभावित करता है, इसके बाद एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 7% है, जो कुल 62 मिलियन बच्चों को प्रभावित करता है, जबकि अमेरिका, यूरोप और मध्य एशिया और अरब राज्य क्रमशः 5%, 4% और 3% का योगदान देते हैं।
- बाल श्रम मुख्य रूप से निम्न आय वाले देशों में पाया जाता है, लेकिन सबसे अधिक संख्या में बाल श्रमिक मध्यम आय वाले देशों में हैं।

लिपुलेख दर्रा



हाल ही में, पिथौरागढ़ में भारतीय व्यापारियों ने सरकार से चीन के साथ लिपुलेख दर्रा व्यापार मार्ग को फिर से खोलने का आग्रह किया, जो कोविड-19 महामारी के कारण 2019 से बंद है।

लिपुलेख दर्रे के बारे में:

- लिपुलेख दर्रा, जिसे लिपु-लेख दर्रा, क्रियांगला या ट्राई-कॉर्नर के नाम से भी जाना जाता है, भारत के उत्तराखंड के पश्चिमी हिमालय में एक उच्च ऊँचाई वाला पर्वतीय दर्रा है।
- यह भारत, चीन और नेपाल के बीच एक अंतरराष्ट्रीय सीमा मार्ग है और उत्तराखंड, तिब्बत और नेपाल के बीच एक त्रिकोणीय जंक्शन के रूप में कार्य करता है।
- यह दर्रा 5,334 मीटर ऊँचा है और इसका उपयोग प्राचीन काल से व्यापारियों, तीर्थयात्रियों और भिक्षुओं द्वारा भारत और तिब्बत के बीच यात्रा करने के लिए किया जाता रहा है।
- यह कैलास और मानसरोवर की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए भी एक मार्ग है।
- 2019 में, कोविड-19 महामारी के कारण दर्रे के माध्यम से व्यापार मार्ग अचानक बंद कर दिया गया था, जिससे भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों को तिब्बत के तकलाकोट मार्ट में छोड़ना पड़ा।

Face to Face Centres



13 June, 2024

कालाजार



12 जून, 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने पूर्वी अफ्रीका में कालाजार को खत्म करने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू किया है।

कालाजार के बारे में:

- कालाजार, जिसे विसराल लीशमैनियासिस या "ब्लैक फीवर" के नाम से भी जाना जाता है, प्रोटोजोआ परजीवी लीशमैनिया डोनोवानी के कारण होने वाली एक घातक बीमारी है।
- "कालाजार" शब्द हिंदी शब्द काला (काला) और फ़ारसी शब्द अज़ार (बीमारी) से आया है और यह संक्रमण के दौरान होने वाली त्वचा के भूरे या काले रंग को संदर्भित करता है।
- यह संक्रमित मादा सैंडफ्लाई, फ्लेबोटोमस अर्जेटीप्स के काटने से फैलता है और इसमें अनियमित बुखार, वजन कम होना, प्लीहा और यकृत का बढ़ना और एनीमिया जैसी समस्याएँ होती हैं।
- 2022 में, पूर्वी अफ्रीका में वैश्विक कालाजार के 73% मामले थे, जिनमें से 50% मामले 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में हुए।
- 2004 से 2008 के बीच, बांग्लादेश, भारत और नेपाल में सामूहिक रूप से वैश्विक कालाजार के 70% मामले थे।
- अक्टूबर 2023 में, बांग्लादेश को कालाजार मुक्त घोषित कर दिया गया, जिससे यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश बन गया।
- भारत में, यह बीमारी बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में रिपोर्ट की गई है।

सुर्खियों में स्थल

इटली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि वे 14 जून को होने वाले G7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के अपुलिया की यात्रा पर जाएँगे।

इटली (राजधानी: रोम)

अवस्थिति : इटली दक्षिणी यूरोप में स्थित एक बूट के आकार का प्रायद्वीप है।

सीमाएँ:

- इटली फ्रांस, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, स्लोवेनिया, वेटिकन सिटी और सैन मरिनो के साथ अपनी भूमि सीमाएँ साझा करता है।
- यह भूमध्य सागर से घिरा हुआ है, जिसमें एड्रियाटिक सागर, आयोनियन सागर, टायरहेनियन सागर और लिगुरियन सागर शामिल हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- इटली का सबसे ऊँचा स्थान मोंटे बियान्को है, जिसे फ्रेंच में मोंट ब्लांक के नाम से भी जाना जाता है, जो आल्प्स पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है।
- इटली की प्रमुख नदियों में पो, तिबर, अर्नो, एडीज और टिसिनो शामिल हैं।
- माउंट एटना यूरोप का सबसे ऊँचा और सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है, जो सिसिली के पूर्वी तट पर स्थित है।



POINTS TO PONDER

- विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक के अनुसार, किस देश ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है? – **आइसलैंड (भारत-129वाँ)**
- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस स्रोत है, जो कार्बन डाइऑक्साइड से कहीं अधिक वायुमंडल को गर्म करता है? – **नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O)**
- नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनस और 13 अन्य लोगों पर हाल ही में बांग्लादेश की एक अदालत ने अभियोग लगाया। उन पर किस चीज के गबन का आरोप लगाया गया था?
– **श्रमिकों के कल्याण कोष से धन**
- ग्रीस के सबसे बड़े द्वीप क्रैते पर हवाई अड्डे के लिए खुदाई के दौरान, 4000 साल पुरानी कौन सी महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज सामने आई? – **एक गोलाकार स्मारक**
- हाल ही में, नासा के किस अंतरिक्ष यान के कैमरे ने मंगल ग्रह पर एक प्राचीन ज्वालामुखी के किनारे एक रहस्यमय गड्ढे की तस्वीरें खींचीं? – **मार्स रिकॉनेसेंस ऑर्बिटर (MRO)**

Face to Face Centres

